भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
राष्ट्रीय वृस्तकालय, कलकता।
NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA
वर्ग संख्या
Class No. 182Jc
व्रस्तक संख्या
Book No. 851.6

MGIPC-S4-59 LNL/64-1-11-69-100,000.

लिसर करनाम को कि कि का जाता जो नदशान्। द्रमा (सर्वा वन् हर्णात्रभट्य द्रशिन । नश्र হপি প্রতিনিয়ত কর্মে রক্তলম্বং কলঃ ক্যাবঞ্জন দিয় মরগলৈঃ ক্রিক বিনিনা ন্য তথ্ কর্মতো বিধি রশি লয়েতা প্রত্বতী ॥ ১ এখনে প্রাম করি মত দেবগণে । যত বিদি বশতা রাবন্দি অক।রখো তবে কি বন্দিৰ বিধি কলিৱে প্রধান প্রকল ফল विदन को व शाया नाहि लांब । मदमदक विचालिका करणे करणे व নহত। শুভাগুৰ ফলনত কলো র স্বায়ত।। কি করিবে বিরিপ্সী कि बटकर दर्शको । अश्रीम कटम ज शांत माहरू क्राप्टिक शांकाना अन्यक्षां मध्यां कि क्षाः निम्माः कविनाः स्रोक्र मात्रिका श्रास्त्रिक सः थ विमालवीयः। यद्यम गानि गठकः विभाव विद्यक्ति विज्ञा শ একৃতি স্পরতার বৃদ্ধি। । । । ভাতত সংখ্যাবছরপ ভিতেরবা न न को ब जिएतत पूर्व सार्णं कादक स विवृद्ध निक्र करियं व ৰ পাৰিত। পাৰিশতৰ পৰি কৰিক নিমি ক্লাচনাল णा बाका निवेदन के निया क्षाविक करी का एक उन्यूष्ट के शिर्क

মতবিধে বিধের হত্ত্ব প্রিতি সম্পদ্যাপি কারে। ৫ । জরাতে মেরিরা দেৱ । বল পোশন বাই। नद हरें न मूत्र । बाद वर दिनि मित बाविष्ठ समित । बाम नहिक क् ति श्री बाद के दिनि मित बाविष्ठ समित । बाम नहिक क् ति श्री बादि कि मित श्री कि के में ते में ते के में ते के में ते मे में ते म

विशेषा विश्व किष्टे मा गांदन ॥ देशीना नुत्त्रात विद्या यपि कितः ।
यहा । श्रीकेन वाममा वारा करत सिनोतरम ॥ कि एक कि नाम वरत खंदन वाममा वाममा वर्ष सह सरवत माठना ॥
वर्ष खंदन वाममा वाममाठ नरह सह सरवत माठना ॥
विश्व किष्टिन वर्ष सह सरवत माठना ॥
वर्ष किष्टे विष्टिन वर्ष सिने वर्ष के सरवत माठना ॥
वर्ष किष्टे विष्टिन वर्ष सिने वर्ष के स्वामस्वाद्या ।
वर्ष किष्टे वर्ष के स्वामस्वाद ।
विकामस्वाद ।
वर्ष किष्टे किष्टे

নাজানি পতন বৈদে দীপের অনলে । স্নাতশ ন্তিল মৎস্য সইনত গেলে ॥ নাজানিয়ালোতেতেপরাক ত্যনেতার আকল তেনে লোতে নজি কেন মোরা ॥ পাপের উৎপতি করে যে ছার বাসনা। তারে নাহি ত্যালিহার রিবির বঞ্চন। ॥

ক্ষাৰ শ্ৰেমায়া গ্ৰেচ্ছসূথং তাজে ন্সংহাৰত বো পুন্দৰ ৰতিবাত তলোন কেলানো তপ্তত তলা ৷ ধনাতঃ বা স্থানিশ্ৰ নত্পন্তিক্ষাও পদত আৰু সংস্কৃত কলা কৰিছ

স্থানিশে নতপুনবিকোঃ পদ। শাগত; তত্ত্ৰ কথা নত। দ শুনিতি তৈত্তি কলৈবঞ্চিত। ৮ শান্তিগতক য়ে
ক্ষাণ্ডলে কাছ হইল বত ব্যৱস্থা নোরাজাত হইলার
নাহি পাইরাছি ধন গেলচভাবে স্মান্তা লন তেজে ল্ছ কুল না পারে গতোষ মোরা নুখেতে বিস্থা ব্রুছন্তনে নোল জারা শীহবাত রোলু য় ভিজাতে ভূলিতে লাছ যে তেও দরিদু য় । বিকুপদ চিভাকরে যতেক সন্যানা বিশার। অন্য তিলা, করি

শাতবাত রেছে । তিজাতে ভুনতে স্বৃহ যেতেও ধারকু ।

কিন্তু পদ চিতাকরে যতেতক সম্যান । মোরা জন্য তিলা করি

বঞ্চি দিবা নিশি। বে তপ করিয়া মূনিয়ন গোটল ফলে । শো
রা করি সেই তপ হইলাম বিকল ।।

ক্তাশাল্ল বিভাগিকাং কতিপর গ্রামেন্দ্র দিনাং প্রজামগ্রেরা
বিউল্লিপিট তন্ত্রাং জৌনি ভূলতে কিল । বিদ্যা ব্যাহিশি
বলং কিল বিল্ল জন্তাং জানি ভূলতে কিল । বিদ্যা ব্যাহিশি

লগিতোপ্রির্বনীরারণ ব।

কত থলি প্রামেতে মাছিল দঃখি প্রকা। সত্র বিভিনি

কাতে হইলভারাজারা। মস্ট্রতিকরেতারা কারে নাছিমানে

कानीक्द्रा जाग्रज्ञा नामानि नाजाग्रज्ञ ।।

नार्थ अनुमारमान्यम जिक्काना स्मर्कारिएण एक ना स्मर्या नामाना नाजाज्ञ मृद्ध नाजाग्रह किली है। यथ्किक नृज्ञमा मिर् किलाग्र क्षिम मुक्का महत्त्वीरेंग्र मृद्ध नाजाग्रह नजनारक।

पूछा यजाका वर्ष ।। १०

अनाव मुक्करमान्य जिक्कामीयज्ञ । व्यक्तिन चर्ण र जाद्ध

ধামোনর 1। এমন শ্রনারায়ণ্দয়াল থাকিতে। লাভাবিয়ে অঞ্চলত মনেতে।। যে কোন প্রধানম অংশ ধন দাস শাভিশতক।

কৃত্য কলে কৃত্ত লি প্রীমের বিবাজ। তাহার কৈরির সেবং
বালী কিছু ধন । আমরা ব্যাক মূচ দর অকিজনা।

জমেনে বন্ধাতা নীতংহব ভোগোপ লিজ্যা। বলাচ
মূল্যেন বিজ্ঞাত জন্ম হারাইলা। হারা কাঁচ মূলে ভিন্তা

त्व चर्च बर्ग कर्ग हा क्या है। स्वाप विश्व कर्म विश्व कर्म है। स्वाप क्र है। स्वाप कर्म है। स्वाप क्र है। स्वाप कर्म है। स्वाप कर्म है। स्वाप क्र है। स्वाप क्य

্তনহে হরজ আমি বলি তবভানে। কিনীয় ওপস্যা ত্রি। বাংকানখানে॥ জুধাপেলে সুধাতে দূত্র ত্র খাও। ই বাংলালে ভ্যেতে বংগতে নিদা খাও।। ধমবান দেখ ত্রি না কর মিনভি । ধুন নাহি যাগ তারে নাহি কর ওলি । আরে
আরি গ্রেষাক্য ভানিতে না হয়। কেহ কোথা কি তথ করিলে
আলায়।
কালে বান্যু হার্নান্তনের জীইত গর স্লাকেন । বিশ্বজি
থান্ত্র দৈন্যং তেকিল পশ্বেকয়ণ সুধির 158।
বলে মরে মগ্রব ভ্রেষার মুখে ।, না করে দান্তা কোন

थिनवृत्र रेपनाः राजितन शनात्वकाः न्यित 158! तत्व यदा मृशनत कृत्थात मृर्थ 1, ना करता स्तिनका दर्जान वनतान रमर्थ 11 श्री रमारत कोद्र कि तिन्ति श्री काको 1 विनो शा किकाकती रमाता कि मृगकी 1 स्त्राता श्रीत्व करता विकारको गम्म किरमा त्वमना माकुश काला किरशास शित करता वाष्यां कि मन्माहित 1 श्रिमा कोक विग्रद

দি গৌরব জরারিক্কার কেলিছলী মানমান মনী গুলাতি কর এ গিল্ড নির্মান কর বিদ্যাতি । ১৫

মাত্রণ নামেতে এক বেদুশা মহতী । পরাত্র করে, আর নাম তেনি অতি ।। জানিতে হাচ্বল । ত:খ কহেন শিহুল । সংসারি জীরের যেন লাহ্য এমন । ধনিতেকৈ ন্যতা যে যাত্রণ

गामवरत । जनाक्रण बजीरत श्रीकृत नामकरत्र ॥ श्रीकृति जाति । जारक कद्वरत विकास भक्ता क्षा धति मान महिना जनीकाते ॥

বছৰিব বিষয়ান গমীত বেইজন ৷ ভার গর্ম খাচজা নাশেন ভিত্তজন ৷৷

দগন্তানী প্রতিঃ কত বসতনোধনধনীক। কিলথ প্রাণানাণ বিভি মনু বিশ্বাভিং কথমপিধনৈ যাত্রখা লাক বনুপরি ছ শাতিশতক ॥

কহ ভাই কি কার্তন কোথার চলেছ। ধনীর নিকটে যাই।
কি কারতে পুছ ॥ ভাগামানে ভিজনমানী বছধন পাব। আপরী
ভরনর রি পরানে বাচিব ॥ আরবার কহে তারে ভান হে নারিদ্
খাচএল সন্ত্রন বড়ই অবসু ॥ প্রথম বিকার পার। মউ হয়
মার্ক প্রথম ভিকার বন মীরন স্মান।

প্রাণানাত্যত কিং বুবে কি ঠনতাত ইতরেয়া 'লাবীক্তা নীক মিজি কথাতী দেবছিল যে নাত গাবচোতিঃ সমত । আয়া ' নত পুনঃ ব্যক্তি পানি বিদিত ইয়ন্সাহপি যেয়া মহৌ মীথা।

শান্ধিত ভলিয়োগ বিধুরোর প্রাথিয়ে সর্বাশঃ ৷ ১৭ প্রাথের কা উন্য শুল কি কাহব হায় ৷ যাচনচা বাক্যের সনোনাই বাহি রিয় ৷৷ সোজাবে স্বাঞ্চেপ করে কহি প্রনায়

আৰু বিরোগের শকানা করিছ আর । যাত্রণ যত দুর্থ জগতে বিদিত।। নাম হানী তাহাতে মর্থ লম্ভিট ।। এতদুখে প্রাথবিদ না হলো বাহির। কভুনা মাইবে এবে নাছও আঠার ১

নাগৰিক বা ধৰণা ৰাজ্য কুলুন মাৰ্থৰ আৰু নাছও অখ্য ক ্ৰালা অনীৰাচ প্ৰাণাৰাত কুলিত বিখিনাপত্ৰ পয়সাত সতেকিচ না অতিবিগলিত মিতেকৈৰত বলিতত যদিলানাখণ্ডে মুবিনকন

भारक्षमनमार वोजनारेज नि मञ्जनकर्णा शांजक मिन ॥ २० शक्षभग्र वादिनम शांजक मा मिन । क्रक्य कि वाकि वादि स्रोपना क निमा। अच्छा कर्म पद्मम कर्जन स्थान एक ॥ वीकान

জিখাল যত গর্ম হইল চুর ।। বতকিলিংধনে মগুর্নির কাছে প্রিয়া ভিজাকরী লাম ছার প্রানের লাগিছা।।

े विड- भाषीकः क्षिम्भठनम् कार्यास्य गद्धातः थारताः

শাতিশতক।।

না কর মিনতি। গুল নাহি মাগ তারে নাহি কর জাত । লরে
থাকি গর্মবাক্য ভালতে না হয়। কেন্ কোপা কি তপ করিলে
নহালয়।।

কালে বান্যু হার্নগভনের লীই ভবর সুলভেন। বিশ্বতি
থান্যুন হৈন্যং তেকিল প্লানেক্যা স্থির। ১৪।

यान यात मृशमय क्ष्याय मृत्य १, ना कात जीमेखा कीने यानोंने कार्य ११ वह क्षाद्ध कि तिन्द शख्यांको १ (४ नी शा े क्षित्रकारित क्षाद्धा कि मृष्यको १ समाया मृशस्य तिक्षाहको समा क्षित्रका तिकार सामा

তিনপায় পরি ভবো যাত জাতি সংসারি । প্রাকৃতি বিয়ৎ তি গৌরব জরারিক্কার কেলিছলী মানমান মনী গুনবাতি কর এ গিল্ড গর্মচূচিঃ ॥ ৯৫ যাত জা নামেতে এক বেছলা মহতী । পরাজন করে, আর

যাত্রণা নামেতে এক বেছৰা মহতী । পরাত্রর করে, আর নাম ক্লেমি অতি ।। জানিতে বাচঞা করে কহেন প্রিচুন । সংসারি জীবের যেন লাক। এমন ।। ধনিতেনৈ ন্যতা যে যাত্রণ।

भागा त कादन द्र रम लाका अमन । यानर करन माजा यानका भागनर त । जनकि महिद्दा स्थीत नामकर ते। श्रीकृति जाति कादन कहरत विष्ठात । समा क्या पति मान मार्ग जनीयोते।।

ক্তবিধ বিধ্যান গ্রমীত বেইজন। তার গর্ম থাত্থলা নালেন ব্লবিধ বিধ্যান গ্রমীত বেইজন। তার গর্ম থাত্থলা নালেন ভিতঃক্ষণ।

क्षत्रामो खुडिः कड तम् उत्यायस्थनीकः किमर्थ धार्यानाः विकि मन् विश्वार्थः कथमशिष्टिन योज्या नोकं ननृशिति छ

क्रबंन क्षणः निकाद्वाद्धं शकावन एडक्डिकिनियनः।

শান্তিশতক্য

कर छाई कि कार्रदन दकाधात करलह । धनीत निकटके गारे কি কারণে পুছ ।। ভাগামানে ভিকামাগী বহুধন পাব। ভাপত ভর্বর রি পরানে বাচিব ৷৷ আরবার কহেতারেশুন হে দারিদ্ यामधन मन्त्रन नक्दे व्यवस्था अथटक विकास मात्र मात्र पर মার প্রেকার কর মরন স্মান।। প্রাধানাত যত কিং বুবে কি ঠনতাত তৈরেলা 'লাবীক্তা মাক মিছি কদাতী দেবছিল যে মাচু জাবচোভিঃ সম। আত্মা नः शनः व्यक्ति शामि विविष्ठ देवतनावित रवधा महिने मोधा শক্তি ভদিয়োগ বিশ্বোর প্রাথ্যে সর্মশঃ। ১৭ প্রাবের কটিন্য গুল কি কহিব হার ৷ যাচঞা বাবেয়র राटन नारे वाहि । त्रश्र भाषात्य जात्क्रण कंदत कहि भनसात्र তাৰ বিয়োগের শকানা করিছ আর । যাচনা বভ দঃখ व्यव विकित ।। यात्र हानी डाहाटड महत्र समाहित ।। बडम व्य धानयणि ना श्रमा साहित कि इसे बाहरन धान नाइल के शेर न ্ৰাপ্তা অনীৰাত জালাৰাত তলিত বিখিনাপত্ৰ প্ৰয়খাত সতেকিত ना या जिसिशानिक बिटवरेक्ता विज्ञ विमाना मामट के प्रविक्त त्यास्यायमगार रोजगोरे मि अखन्दशा भाउक मि ॥ ১৮ শিল্পতা বারিদম থানের লাগিলা তক্ম কি বাকিআছে

কথিল বহু পর্ব চইল চূর ii বহুকিকিংধনে মন্তর্গনির কাছে
কথি ভিকাকরী লাম ছার প্রাণের লাপিয়া ii
কিইং লাবীজ, জ্পুসিল্ডতনঃ কায়োঘো পদ্ধারঃ প্রায়ো

प्रथमा क निया। जन्म कर्य प्रश्नम करेग लग एवं ॥ कीसाव

दम्बिर्देश मन्भात है आबोक मुक्ति विद्वारि क्लिक्सिश्च क्रमानी लग्रासन्। अकाक हा होए ।। मही ह । जाहार ही हताल हर हा जा इ वाय पर नकतो मोनी ह । बहे स सदीत क्रि वकी वर्धन्ति ।। बहैवन कथाव नैकटन । बाक करना । कह রাপে ইয়া ব্যুরাকর্মকো মানত বিক্ কাল একা ইয়া প্রাথাত ভড়ী মালা লোলগুপ্ৰতি নীৱতী ক্তান্তভাৰত বিশ্বভাৰ লোখাৰ বিহারমন্থ নুষাবেশ মন্ব দিতীবাত্তা দলার ০ কটুল রতনঃ खनवयनरमावय् वेद्ध वृद्धा खकहेर भेवांन भन्नमयोक्षी २० প্রিকাশে বিদ্যাণ থেমল কাশে পদকারে চাতেমত ক্লদীক ন্ধ এপাপ ন্তনারে ৷ লগাতা তালাল দ্বীতা ভাগ করনার ব य मध भारेटल पृथ्य नाभारेट बाज ध त्यांक करे बदल दिन भाषीत भक्ते । सामजा मीन क जीवी मदमना दक्ते हैं । যদালে দুর্মার 'এ দরতি ব্রুদ্টান্ত করাবন্তদাতলে ক্রান্ত প্রসাররম ড্টের্ক্ট বলীতেঃ স্তাক্তিয়ালান্ত ছশনীক্ষ দলাছার सीशक्तना लक्तर दक्कतः वीसर्या कटर्राज्ञास स मनी विश्व धहे त्म वामना माना रखी ताने बरता । रेसर्ग क्रान क्रहतांव नटङ्ग करत । इस्तर्य गीनदङ्ख मञ्जा रही पीट्य । बीनर करतेति वाजी मात्र भाषास्य ॥ धनदेज द्वाशीरन वंटन धाकीरन त्य जय ते विचयह वर्षे क्या कर बाहर, की है। स्थन बर्खार हो वाहीत हहरवा आंक मिकी पड़ी निहा किया यानाद भागकोश्वासन[®] छत्त मीठाङ रेनक्रमणः स्राह्न शहीक प्र

नाविनक्ता

संव कि तथनीय शिवदेवत्यां आवित्वा श्रीत व्यक्त मान

নিজ মেই ভারই বাম ভলিপ্রণটখন্তনির নক্তা হালা ভলাতি: বিষয়াম জহাতি ছেতঃ ৷ ২২

- ছবিদ্বাজিতে লক্ষ করি গ্রাপ্ত করি কহিতেছেনু য

্ভিকার ভোজন বল হইল প্রাঞ্জন ৷ প্রাঞ্চনের এক দেলে

কোটির তবন ॥ বর প্রতিন ছেন্তা কাঁখা হইল সার। আপন উদর পরিজন পোশাভার ॥ হায় আমাদের হৈল বিধাতা

निर्श्य । ज्यानि वियत बाङ्गा नोश्डिणन एउ ।।

জ্বাস্দর সাধৃমলেই শাকৈরপি যদসি লক্ষা পরিতোধঃ ,হত জনমং ছবি কাধিক বাঙ্গশত দ্ভরং নপুনঃ ১০ ২০ ১।

গ্রকারপন্মতেনিকাকরিয়াউদরকেলাধ্বাদ্দিভেছেন ধন্য হে উদর তোদায় দিই লাধুদার। লাকে পরিপুর্য হও

না কর বিবাদ ।। কটিন ফচ্ছিত খল মন বড় দুটা । শত শত

া নিৰোদ্ধতি ক্ৰয়ে শতিম্পলতং লক্ষণ সহস্ৰাধিপত

ল্পেন্থ ফিডিপাল্ডাং কিডিপ্দলে স্বর্ভং প্রঃ।

দেশেশঃ পূনইন্তাত সূত্ৰপতি বুজাপদং বাঞ্জতি বুজা বিহণু
বাহত পূনঃ প্ৰায়হো আশাবধিত কোগতঃ ।।

প্রথকার আপন আশা নিবারন কারন প্রথনের পাইতেছেন এক০ লোক শিকা করাইতেছেন।

দরিদ্ রামনা করে শতেক ভঙ্কার। শত পতি বাছে মৃদ্

হাজার। ল ক তন্ধা বাস্থা করে ইজারের শতি। লক্ষ

পতি বাঞ্চা করে ইহতে ভূপতি।। ভূপতি বামনা করে নদা রো কতি। এই ক্লপে তাৰে তাৰে বাঞ্চাবাতে অভি ॥ চরেশা

ৰাশনা করে ইজেৰুর ইন্দু আনু হ'বতি করে বাঞ্চা বৃদ্ধপদ ভগ্ন। বৃদ্ধাবলৈ বিফুপদানদা আমি তাই। এই ন্তেপ বাঞ্চার অবধি

নাহি পাইবা এপ্রকার জন্মতে বাসনা বৈড়ে গেছে। বল ভাই কে বাঞ্চার অন্তকে গেয়েছে ।

প্তা পাত্র পাত্রী পরিমতিরমানে প্রচর পুরহং ভূতাবাঁ বোবিস্বকিয়তী বাঁতি নদশাং ৷ তদাঁজন ধারানাং জনমণি কিমহাত স্চিতং পনীকারঃ কোহমং রদ্ধ নহচেবিতির তব্য ৷৷ ২৫

আপন দেহ গনিতা জানে লোক শিক্ষা করাইতেছেন।। দেখ ভাই এই থেহ শোকের অবার। রেত রক্ত প্রিশ প্রভাব মাত্র সার।। এদেহ ভূতের বাসা নিখ্যা দেহে আশা। দেরদরে

कड किना इहेल मूचना ॥ बीगड उडिक्ड नटर बरमङ् अधिएठ इसि बोब चटर व्यंथर बदनट्ड ॥

হায়া বাজি নার তেবে বেশহ নবেতে য়া
ক্রেড্র লোদিতারা রিয়ণ পরিনতি পুফাতি বিনিতাসং
ম্ত্যোরাপদ্মালয়ে ওজ্নতাং রোগনা বিভানদ্জাননগা

বলা বিবেক বিরাহার জন্ম বিন্যায় দুবা শ্রারারতি পুথকার। তিবত লভারতি শ্রা তি ১২৬

পূন্র্যার দেহকে অনিতা বোর করাইয়া লোক শিকা করাইতেনের বা

े ल्योजिक क्षेत्रपत इस प्रेटबर्ड केंग्लिक । मृज्य सागात

यक्ष स्मारक पाणिक ॥ नगनित्रमन्तित (पक् स्मान नाविकान व्यवनी रचेया लच्छा होडाहरल करना ।। भागांत मन्दर पृत्व জীকর ক্ষিণা ৷ পূঞ্ তাহ ক্ষেত্র চাহ প্রভার বাসনা ৷৷

रिक्छवृक्कांत्रविकार कृत् अपस्त्र में कृत्राज्यार करोग्याः कोनाभाः कोमनाटल कर कमरम रम्बंक द्रांस्विनामः इरे

थेढों इ काटि वर्जा देखें इसने यक्षेत्रक ममीन वानाकामा

যিবোজি বপহুসতি মহামোহ জালন জুপালং। ২৭ পুনর্বার ভঞ্জিদ্বারা দেহ ক্ষনিভা কহিতেছেন।।

गरवत में ब के विक बाउनेत जेनरत । नवम भूतरण भिरत क्रिकत गर्डरत ।। प्रत्युद्ध निकट्डे प्रिया क्रिक क्रिक्ट मात्रं । गुक

পালে পবন কহিছে তিরস্কার ৷৷ মডার মন্তকে ভেকে কহিছে भवन १ ७८५ छोड़ गर्थ भेन किथा। प्रथम ॥ क्रिया व्यवस्त्र লধা বিস্তার লোচন। কোথা তোর এখন কোমত সংস্থাধন।

কানের ধনক সম ভ্যুগ কোগায়। কামকে ইঞ্জিভ করে করে कांत्र श्रेष्ठ स graph graph who can

स्थम ज्ञार प्रकार यहा भी भार हल बर मंथल सथल (शांतिक ज्ञान । अभिदेशिक वृद्धिक वृद्धिनाकी कियमकि कृतिन

द्राट नम्डन्बर हिड्म वृद्धमाना ।

গ্রহার শাপনার মৃদকে দাববান করিছেছেন ম শুন বরে মন ভোরে বলি এক বুন্রা। হাছি তপ্রির য়াছা

व्यवभारक करा १६ नावीत निकटि दोश कराई कहनी कहा।

শাহিশতক।
আহির,পুরপারাদে প্রানে দের হালা।। কি কলি নন্যালী কিছা
ইউক পতিত। লকলের মন হরে বিষল ঘোষিং।।
সমালিব্যাত্যকৈর্ম পিলিডলিভং ভনবিরা মূর্ছই লোলা
কিন পিনতিত সমূলাব্যিব। অনেধ্য কেন্দ্রাদে পথিতরম
তে পলরদিকা মহামোহলানাং কিনিহ রম্যীনং মন্তবতী হয়
ভালোককে কেন্দ্র বিশিক্তা কর্ন্দ্রিলাল ম

জীলোককে হের বৃদ্ধিকরে লোকশিকা করাইতেছেন। উচ্চয়ন মাংশ পিতে তান ধোষ করি। পান করে ভালবুক্ত মুখের মধুরি।। আলিক্ষন করে পরে করেও রমন ।। রেডারক্ত প্রথাবের যে পথে গম্ন।। মহামোধে অক্সয়ত জান হল কি।

बम्दा किल यहि सा क्रिक कि ।।

ইভি শান্তিশভকে পরিতপোপ শখনো মামপ্রথমপরিছেদ অথ মবিছারিতভাকতরা সংবারো ভাতি রমনীয়ং ও অঞ্চ

শুনঃ পর মার্থ দৃশাং কিমপি সার মনীরঃ ৷ ৩০

কোন ব্যক্তি এই সংসার ভাসকহে কেই কৈছে অনিতা। না করি বিচার করে সংসারস্কর। সেই মুর্খ বলে বে দেখিতে সনোহর। বেই পর মার্থ দ্বী মনেতে ভাসার। কি

বোখতে সংবাহর । বেহ শর্মার দ্বা নলেতে ভালর । ক ছই ন) ভালো বলে সকলি অসার।।

কোনপানপ্ত কচিলা কপটি অনুক্তা মেতা গ্ৰহন স্থান বল্মরং বিভিন্ত । কস্যা বক্তকথ স্বাং স্বজ্ঞানী সংস্থা

ল জাল সদৃশা খলুজীবলোক। ৩১ এই সংস্থাবকে। মলাকরিয়া জোক শিক্ষা করাইডেছেল গ

সজন সূত্ৰ বৃদ্ধ ব্যাত বেকিউ। বিষয় কণ্ট সত কে

देकन विकित । मेन विद्रा देकन मुक्ति चनथे कड़ीरक। बह त्य বিষয় কিবল বিচিত্র কেবালের ।। খালা সারে। কেবালার আমি वा कारीत। चरेलंत ममान त्यव अभाभ मन्मात ॥

্ আর্ডঃ সংশ্রামা মবিন্য তবনং প্রনং সাংযানাং দোলানা নিম্মানতি কলট শতময়ং ক্ষেত্রম প্রভারানাং 1

म छ। वन यस्त्र म इसद वसरे छ। सर्माता कद छ। जीवालः কেন লোকে বিষময় অমৃত্ত ধন্ম নাশায় স্ক্তিয় ৩২

की जीटनारके माना रणाय किरिडाईन धनः रलाक

শিক্ষণিতেছেন ম

শিংসারের আর্ড নারি বিরোধ ভবন ৷ দেবির আশ্র

নারী মাহন পতন ্য শতেক কপট যক্ত নর্ম মায়ানর 1 অবি খাস খান নারী বা হর প্রত্যয় ৷৷ নায়ার আঁকার নারী কি কৃতিৰ কথা। না পাৱে তেজিতে মাত্রে দেব। সর বাঁত। ।। এমন

জালোক ধ্যা নাশের কারন। নিষ্যুক্ত অন্তকে করিল স্জন विषाधकरेजीय धनमा ताशिरमा वृष्ठ १ कीएका कपि

ৰ্ম্মণাত্ৰত। ভদাত্ৰতনঃ কিম্ন্থ পাছিতৈঃ ভকাব্যহ্ব্য ভত্যো निर्विष्ठा । एठ

গ্রাহ কার কহিতেছেন কামক স্থানিকর প্রতি ॥

जनम निवासन कारमारम् व्या जयम न्यात तम किन शंदर जारमामत । जजारकरच यामाध्यक्रवन्य । जगम । मनगरः

বিপ্ত হাকামছতা সম অকাধ রচিত কারা লাইনামতারে : ত গ্ৰহাছতি দেয় সেইছতাদনে।।

गांचिनंडक ॥

দ্যতি তাবদম্মীবিশা, ংস্থ° জুরিতিখার দিয়ে ক্দিন্দ্রী ন্ন্সি তার বীলাও বিবিত্তক্বিষ্যাঃ ক্সুখং ক্লপরিপ্রহা। ৩৪

मध्यि गढ़ीरेवड मादा ज्ञान थीरक इनवित बहे बिकरत गुथ त्याय इस जोड़ ज्ञान मृहित्स गढ़ल मिथा त्याय इस ॥

মন মধ্যে মূচ কুজি থাকেত যাখি। বিষয়েতে পূথা বোধ থাকেত তাবং ॥ যখন নিম স জানে মূচ ইয় মন । কোথায় বিষয় পরি পরিগ্রহ ধন জন।

ব্যাপুদ্ধং নালীদপরিচ তথা নৈবত্রবিতা ভ্যানর্যা বস্থাকন পরিচয়ো ভত্নচনা চলতঃ সংযোগলন্দান বলবতী বিয়ো

জের সভজে কিমাধার প্রেমাকিমবি করণা সভত শুচঃ ম ৩৫

আপনার দেহকে অনিত্যজ্ঞানে লোকশিক্ষাদিনোছেন 11

ছিলনা রবেনা দেহ সংযোগ প্রথিতে । কর্নীর পরি চরদেহের সহিছে। ভূতের আরাস যার যেন এই দেই। ইকার

বিয়োগে দৃথ মা ভাবিবে কেই ৷

हेल्नाहिडि चक्रमाहे मृत्य स्त्यह मोडिडिं विका कलान वाडिः वह मूल विक्षाह कामामन दिखाहाडिह स्क

রীচ পরম থে মাজ, দত মৃত্যতঃ সংখা সাহপি সমঃ ব্রুক্ত গ

তিতি গান্যেহন্য আৰু সমান ॥ ৩৬ এইকার কাঁচত চছেন দেব ইন্দু পার যে শুকর্উভয়সমান

ইন্দু গুরুরের সুথে দহার নগাই নেন। সুধাবিলা বার দেওঁ। নোহিত্র থেছ। শদী গুলরাজে দোঁতে ক্ররে রমনে।

न्यार वह द्वह ॥ नाम खन्दा एक स्थादक क्यूट्स क्रम्यन ।

भूमा म (बाँचात चत्र काट्ड यत्रात्। भाषामात कत्र कटन वहेक खकतः। निक्रकत्र कटन रेन्ह् देशम मृद्युषत्रे।

কমিছলোচিতং লালাকু বহু বিগলি জ্গুপিশতং নিক্লাৰ বস্পিতা পাদনারাহি নারানাবং৷ ল্রুলতি কলি পার হং নাশক মীলতে নহি গুলাত কলোলোকৈ পারিপ্রহেং বংগুড়াং তথা লোক সমত পাপে শ্রুলনা করে এতি প্রস্থ ক্রিডে বাঞ্চির্মেট কিতু লোক সজ্জান্তম পারেন না যে কেনন তা তাহা প্রস্থ করি কহিতেছেন।

ক্ষিতে লালেতে ভিন্নরাহী নিলিত। সুখে খার জনর পাইয়া মহাথীত ম ইলুকে দেখিতে নেই লক্ষা নাহি করে। পরাদের ভয়েতে কেবল মার ডবে।। তেমনকানিবে ক্ষুদু জনা র জীবন। গমাঁভয় নাহি নীচ পরি প্রচে মন।

র জাবন গেশাভ্য নাচি নাচপার প্রচে মন।

জ্মীবাং জন্ম নাচ কজিপর নিমের হিডি মুখান বিয়োগে ব্রী
রানাও কইং প্রতিপিক্য বিষয়ন। জলাদ্ধা পদ্যন্তে ক্রীলয়ন ম

পিষাতি কল মনা নকেছপি স্থাবর শুর লামপরোধি এত্তর; ৩৮॥ জীবের পরস্থাত বংকিঞ্জিং কাল এই হেত পণ্ডিত লোক কদাচ লোক করেন না গ্রহকার তাহা কহিতেছেন। ম

किंद्र भारम्य काल कीरवद कीरम । छात्र विद्वार्थ कि क र्ष्ट स्वर्थीत कम । चिक्र मुझ नर्जाशास किस्मा थाकिरव । कार्य स्

য হ'লে সর ওনেই জানিবে।।

অর্থ লৈ বিনাশ সংশয় করীত প্রাণ্য পদত, বুংরাত সভাগ

শগভাষা নৰেতি বিভন্ত ৰণজাবিত কাখতি ৷ উতি

তিতো ধনা ধ্মধরা- ভ্রোলি বত্যাগরও জালাক ধন্য চল धमविद्या जारनावना रक्छ। भना केन है एक क्रिक क्रिक

অথ আর বে তাৰ ইগাছের প্রদেশক ম প্ৰাৰ লালে যেই অৰ্থ পাইনা আপদ ।। ভাৱে প্ৰাৰ লাভি नुत्र क्रियन मण्यम् । धार्वतं मान्यतं प्रशेष्टकः व्यक्षेत्रमः । उत्तर না তেজিয়া চাই রাখিতে জীবন ।। এমন আগদ কৈতে উল্লেখ ক্ট্য়া আবার আশহে অজ বছনর লালিয়া। অর্থ আর প্রাণ

कि व्यवस वृध्वि वदत्र। व्यवनाष्ट्रमा एक्षरङ विद्वाक्षा व्यक्त करत् ।। कर विमन निर्मित्रः देकद्रामाण्यकाम क्वनिवक्षांका विक्षेत्र मन देवना व भारेमानि जिना इन यथा। इन्हिन्द मा निर्मानी हो ने छ

দশ ভূঞতৈ কহিলয় প্রমান্যেশ্যাও করণ মন্তব্য ওঁ জগং শংশার জানীত্যতা জানীইতেছেলাং 🗁 🛸

अक्रारे मक्षे रेकन काम ग्राज्यांन । क्रिक् भारत रेकन किर किन मान ॥ किर्वा करिन करि जुनवृत्ति करित । कर्मा

कृष्णिम मृद्य महे । हे बद्र १६ मा क्रिका पर्क खाद्रा करत वे खला র। কতগুনি পুরস্বরের একি অহন্ধার।। ৰুমাহমভলতমকি ৰুশভয়ে প্ৰাৰ্থি মগীভাদিক কীয়া প্ৰা

न गरेनः समाग्य मुक्त रेमराधिक शिल्हा। किन्द्र। भाव-। न ्य भवन व्यारलाल होशीस द भोबांच्यल याकल्या सकल

পাৰা কলা হত্যভাগ ৷৷ ৪১

শংলোক নকলের স্থের দ্ব্য নকল থাকিতেও বিষ ही शाक्ष व होशोत नगात्र हथक द्वाव इति ।। वरन लिएन ।

মাধু লোক সকলের মা ছিল কিবল। বসতি কারণ রন্য रम जल हिला।। नामा मरमारत बीठ नाहि कि खनिछ।। रक्ष শ্মাগ্য সুখ ছিল না কি ক্রাজো n তবে কেন ভাহারা তে কি লোগুইপফ টেহার মধ্যেভেগুলোআছে কিছমর্ম ॥ দ্বীপের অরব্যেমন পভঙ্গ বাতানে।। চঞ্চল ইইরা কেরে নিধান

তরালে ৷৷ সেদীপের ছায়া হয় বেখন চঞ্চল ৷ সাধুজন সেইবাপ

(न्थिया गकन n श्वित्यविषय मिथिमान्यम 1 (खाँकरा विभय देकन कानरम असन ॥ १ १३.१ १०१० १३। १०००

স্থান্তা মকন্টক মিদং বস্ধাধিপত্যত তৈলোক্য রাজ্যমূপি टैनव जुनाय यहना। सिक्ष्मक मुख्यतीनी सन मध्यनीम हिन्द পর০ বিশতি শৈল বনগুলীযুৱা ৪২ গ্রন্থকার বিষয়েতে ক্ত বোধ করিয়া বন গমন করিতেছেন ।৷

্বস্থার আধিবতা থাক অতি দুরে। বৈলোক্যাদি পত্য मानि का कान करत ।। अवदेश रितर भन मुख राहे वरन । रमहे नरम भावमन कक्क नगरम ॥

हिन एतम कार्याणी छ। न मान्न मीर्वज्ञाश्यम् मनत्निय গাতৈ ভরজিতপাদপাঃ। বিবিধ বিহগালুলী চিত্র ধনি প্রতি নাজিতা সামিন মূদত কল্যাদধ্য শিবাবন ভূনয়ঃ 11 ৪০ গৃহত্যাগ করিয়াবন বাসের কত স্থ ছাহা কহিতেছেন ।

ইরিনের কর কুর সোভে দে বনৈতে। সাছল সিহিত জল ল্লোভন বাতে ৷৷ প্ৰনে হেলিছে বৃক্ত খলিছে জ্লুক 1139 11

भग्राष्ट्र करत याटक थालि विश्वस्था। त्यहे भूती सैनक्ली कारात बार्मिट । स्मनाहि करत वर्ड जिंद भूषिकी एउ। टिली मुख्यन निकांत्र महिलाई मार्थिया एकत (समस्तीया जुल छ धर १ नो मसिनो जुल न जा शहरा वृत्रमा (पहर्वा स्कार् नमें मृद्धम् ज्दशीयत्वस्य ।। ११ কহিতেছেন বেব্যক্তি সকল জ্রী পরিত্যাল করিয়া বন গমন করিয়াছেন তাহারাই খন্য n শানিত ধীকার শরে বিন্ধ জাছে যারা ৷ ধন্য পূন্য কানসম লৌখাভুজতারা।।যে হেন্ত নারীর ভূজ লভার বন্ধন। যুচাইয়া সম সুখে যায় তপোধন 11 द्रवकाः कलामः १ ७ वि विषयाद्रांशां भहेति । विश्वकार কেপুলিনজশল ভদম্পলঃ ৷ নিশাভাদবন্তাৎ কথমপি বিনি ক্ষুত্ত মধুনা ননোহন্মাক দীৰ্ঘানভিল্যতি বৃশ্বং পরিচিত। ৰনৰান বাসনা ব্ৰিয়া বোনের হরি। বৃক্ষাদিকে কহিতেছেন শুন হে হরিব গ্রবন নদী গ্রা কল্যান আর্গ্য ক্রেমে

শুন হে হরিব গ্রবন নদা গ্রায় কল্যান আরগ্য ক্রেমে থাক শুশোভন ॥ মৃগবন নদা পূলীন পর্কতা । কল্যান আরোগ্য জান কশল ভূদ্তা ॥ তমে হল তোমাদের এ মঞ্জ গ্রাথ ক্রেইডে কর্তিতে বা হর হৈল মন ॥ অনু ক্রেটোল রা মোর মন প্রতি। চিরকাল তোমাদের মাগে প্রিচিতি ॥ বালোব জল্মান্তঃ কিশ্লিলাদ্যাক্রকল্যং জল্ভ ম্লা

বাদেশৰ কলমান্তরঃ কিশ্লিমানেনাকন্তবালাং ভলও মূলা ভিন্তর জুবাং গিরিনদীভোঃ ভ্সাহত্রে ৷ জীড়া মুখ মূগৈ বীয়াংসি স্ক্ৰোনকত প্ৰদীপঃ শবী নিবিটন বিভবে তথাপি ক্শনাঘাতত ইত্যন্ত ।। ৪৬ বনে সকল দুব্য ভোমার অধিন থাকিতে, ও তথাতু যাচঞা

বনে সকল দুব্য ভোমার অধিন থাকিতে, ও তথাচু হাচঞা কর কেনো এই হীত বাক্য গ্রন্থকার কৃষ্ণিতেছেন।।

কর প্রদারণ। তরু মূল্য থাকিতে স্থানের চেটাব্যাথ। সাদ্ধল

रखें व्यापातमा १ जम्मून या १००० दारमत रक्षावराय । नामू यन । रखें विकास रक्षा रम व्यापा में निकास महोत्रकान मूत्र हरते ज्या

म्भगन बदम्याद्र क्रित रेमज एकी ॥ शिवित श्रेपीण नमा कर्म निमीनोद्या बमन क्षिन एक्टल मन क्रिना नृत्य॥

क्षणा गाम्ब्र । यान्य वर्गायम १७०५ यस १५०मा गृह्य ॥ विकास गाम्ब्र मा । यान्य १० १० विकास सम्बर्ध । विक्

নিজর কারিপান মলবুও কদে সহায়া মৃগাং। ইত্য প্রথিত নজসভ্য বিভবেদোবোহরখেকোবনের প্রাণাণি নিষ্ণারাগ

চটনা বন্দোঝিনাহীরতে। ৪৭ তে তা ুল্লা ক্রিন্ত । শাব্দুল শব্দাতে জীব কর্ম শর্ম। গুরুশিলোপরি বৈস

अक्ट्रव मन ॥ वृक्षमूटल विनिर्धात कर्त नहीं वार्ति । आहार्

भानुक बुत मृत्र गर्छ कति। धार्थना विहरन वरन मिर्ज धन भूकि। बक्न मूल्ड किछु नाहि अक पूर्वे। धरनेत्र नाजिश वसू

জনের নহা। প্রাথ না নাহিক ধন বানেরে দেখিয়া।।
পুররিহাখিলাখানা প্রিয়ং কৃত্যদিশখিল। পারত গড়া
প্রেডৌযস্য ধন্যবিন নূপাশতে।। ৪৮

শাসক ব্যক্তির আশা পুঠে করছ আর (যেব) জি শার্ক - ভাহার

ু ভাল ব্রহ্ এই প্রকার গ্রন্থকার কণ্ডেছেন।

বাচক জনের আশান বি করিবা। শাল জন সুথে থাক মনেতে ভাবিরা। বেদ সমূহের পার যার যেইজন ধন্যভারা উপাসনা করে তপোধন। আহার; ফলমুল মাজক্তিভঃ শহা মহী বললঃ ক্ষীভার পরিছদ হ জনসমীঃ পূন্ধানি পূর্ণী মূগা। বস্তানাশ্রদ ভাগ বিভবা নির্যন্ত্রা শাখিলো মীতানিত্যধিকং প্রেবছয়ী

ভোগ বিভবা নিৰ্যন্তনা শীখিলো , মীত্ৰানিত্যধিকং প্ছেন্ছই গাঁ০ কি০ নাম দ্বাদ্তে গা ৪৯ বনেতে সকলি সুখ আর সকল দ্বা সুলড় কেবলদুঃখনাই কল মূল খা ওথাক আপন টকাতে গ্ৰাহণতে , শয়ন করা

পৃথিবী শ্যাতে । পরিধান করাবৃক্ষ বাহুল অন্তর । ক্রকার্চ পুলান বড়ই সূক্র । বনেতে অপূর্ক পূত্র আছে ন্গগ্র। নিরাপদ অনবর্ত্ত আদি যভ ধন ॥ বৃক্তের সহিত হবে নীএতা

ভোষার । শৃংখ বিনে গৃহে কভ রেশী কৃথ আর ॥
নিঃঘভারভর ভারনয়াতে কার্য্যভৌম ভরকং ক্ষ বানিঃ

ৰালি সোহি বিষয়েশিয় চৌরেম্ব্যতে হতবদেচবনেচ। ৫০ জিতেশিয় পুরুষের বনবান চলগতি কলিবে গ্রহতনা

আর যাতীয় ইন্দুর নিগ্র হয় নাই সে মুখের গ্রহ বনজনা। ভবের ভাবনা থার কিছু নাই মদে। চত্রবর্তি ভবন শব্দ ভার বনে।। বিষয়েন্দ্রেড়ে করে চোর বেই জনে ।।কোথাও

चम् जा नाहे वर्टन रा। चवटन धः अवस्था विकास स्थापन

अरमहर्नेटमाबाः इ चर्चावताशिताः शृट्यु शटकामा ग्राम श्रहः

পাতি সতক।

তপংশ্যক পৈতে ক্য় নি যা প্রতে জৈতে নিব্র রাগসা গৃহঃ
অপোবনা । ৫ মা

ইন্মুর নিগ্রহাকরিয়া গৃহত্থাকা সেহ ভালা।

বিষয়েশিবনাতে করে রাগ যার আছে। বনে গেলেও সে
জার দোষ নাহি বৃতে। গৃহত থাকি করে যেই ইন্মুির দমন
পরস্তাধী করে জেবো সেই জন । শাকরে নিন্দিতকখা সূক
কে তে যন। নিবৃত্ত রাগির জেবো শ্রি ত্পোরন।

কে তে মন । নিবৃত্ত রাগির জ্যোনা মরি জ্যোরন । বিবেকঃ কিংলাহাল সরস্ক্রিকা যত্ত্রনক্ষা সকিংমাংগ্র যশ্মিন ভবতী পরান্থাহরসং। সকিং ধ্যোরত্ত ক্রুতি নপর দেহিবরতিঃ অত্তভাকিংস্যা মুপশ্মক্রত ব্যন্ত্রা ৫২ কিসে ধ্যা কিন্তে অব্যা তাহা কহিতেছেন।

गतक किताल कृषा या विस्तक नाहे। छोडारत कि 'विस्तक कित कालि छोडारा कि 'विस्तक कित कालि छोडा। भड़ शिंख कालुंगह नाहि स्पर्ध भारत कि 'विस्तक पण किष्ण कि कालुंगह नाहि स्पर्ध भारत भारत भारत भारत भारत प्रति कि विकास पण क्रिक शिं कि विकास पण क्रिक शिं कि विकास पण क्रिक शिं कि विकास कालि करत स्पर्ध स्वाप्त कि विकास क्रिक क्रिक स्वाप्त के विकास क्रिक क्रिक स्वाप्त स्वाप्त क्रिक स्वाप्त स्वाप्त क्रिक स्वाप्त स्व

অত্যেক্ষা তিদ্ধিকি জিদভিতঃ কেলাপি শৃত্তক্তঃ সংগার শিক্ষতাৰ বৌৰন জ ৰৱাতারাবভায়াদ্যঃ। বালচ্চং বভ্যন্যতা নস্লতঃ প্রাক্ষোব্যাদেশ্যতাঃ বৃদ্ধ দিশাদ্ধিক ভইববাবেত কিং পশ্যতি॥ ৫৩

नारिन उका द्रीक वालक वृक्ष युवादक ज्ञादम कहिए छिए मृश শিশু মুবা বৃদ্ধ ত্রম দেখ নবাকার। আলে পিছে আলে लिए बाह्न बर्गन्मीय । यमन्मात बाह्न छान कर्मन वानक । वानगरम भाइयार्ड त्यवा कक्षन तुन्तु ॥ विष्य इहेट हार्ब्ड् বছজনা 1 এ বিশয় মিখ্যানদলে কেন তেজেনা n ুপুথহারাদিক মারঃ পুরুষাগ মং মুচ চেজনাথ। নিদ্রাগ

नांख्या का विश्व में दिया विश्व विश् পুল্লারণদিলং দাক্তার দান্তিত গদের শাস্ত্রদাং পার্ভভয় কেমন া পুথ দান্য আদি ষতাএইভানংলার। ইহাতে আপান বেবি भारगांश इहेरल, यांक नाला मोहि ब्याह कि विकास ক্রমান ইতি শাস্তি শতকে দিভীয় পরিশে**ছ**দঃ দ

ा अटका भूभा मुख्यन जीरक्ष्य कारनी ब्रामा, भावश्रद्धार पर প্রস্তু হর যাবং ভিন্ততে h ৫৫ টালালী ভাল চেন্দ্র প্রা

के प्रकृतिक स्मिका करि करिएछाइन ।। वद्य भूगा म् नार्ड किर्निक् सन्यति । मा जारक

यां इंडन नहीं जती।। দিবস রজনী বুলভেদৈঃ প্রভির্নামতং বছতি নিকটে কাল

শ্ৰেতি দনৰ ভাগেৰতে ইহছি পত্ত নিটালছোনচাপি শির্থন ওদিহ নহতাঃ মোহ; কোহয়ঃ যদেব নদাবিল।। ৫৬

वर्षं मध्नात्र तक त्यार् नमी चक्रण केंद्रिया करिएडीएइन 11

দারা গ্রহণান ভবননি লেনা এরে। দিবা। রারি দুজল সর্বাধা থদি পড়ে। কালকণি লোড তাহে বহে জানিবার। ইয়াতে পড়িলে পুন নাহিল নিজার।। দেখিয়ে নিষম দুন্দী প্রান্ধ কাপে এরে। সাধকহে মন গর্জ সন্ধানাহি করে।। অবলাং বভার ভিরতর মুম্বিয়াণি রিময়া বিযোগে কোড়ে মত রভিনজায়ায় স্মান্দিনান। বৃদ্ধ ভঃ স্মাতরাল পরম পারতাল পায় মনসং ভাজাশেতে জামলখ মনজং বিদ্ধতি ।। বং এই বিশ্বর বিজ্ঞের মধ্যে এক চমৎকার দেখাইতেছেন।। চিরকাল লাছে মত দেখা প্রিম্মা। স্বন্ধা বাইবে কেহ থাকিবার নয়।। যে বিষয় স্মান লোক তেজিতে লা পারে।। কি স্থানর ভেন তার বিজ্ঞেন ভিতরে।। লাপনি গমনমন্দি করে সে বিষয়। জাবের মনোজে কত পরিভাপ হয়।। জীব যদি স্মাং বিষয় ভাগি করে। সে বিজ্ঞেন মনজ সমান লুখ গরে।

বিষয় ত্যাগ করে। সে বিজেদ মনত সমান লুখ গরে।
ভবারতা ভাষা ত্নু গৃহমিদ্ ভিদ্বছল গ্রিল কালাগে
রোনিয়ত্মসিতা মোহরজনী। গৃহত্যজানালি বিৰতিফলক
শীলকরজ সমাধান ক্ডাজির তর দুশোলাগ্ডজনা: ॥ ৫৩

ভবসমূদ্কে ব্ল ক্লপ করিয়া কহিছেল ৷৷
ভব-রূপ ভ্রানক দুর্গম বনেতে। লানা ছিদ্ আছে দেখ
তন্র গ্হেতে ৷৷ সর্বদাককার রাত্তি লোক ঘন ঘোৰ ৷ ভাতে

অভি বলবান পিছে কাল চোর !৷ অওঁএব বলি ভাই শুন্সাব ধানে। জ্ঞান ৰূপ অলিখনে থেকো জাগরনে।৷

भट्ड महोक्ट्यम् विक कृत्रावादः सञ्चल महायागायकारि व ভইতি মার্গোইয়ম্নিভ:। নরান গৈহাদেই।২ প্রতি দিন সার ক্ষান্যভঃকৃত্যভা, শক্ষাকিঃন্তৰতিরে জাগতজনাঃ।। ৫৯ এক দিন নিজ্প্রামে চুরি যদি হয়। লোল, শুনে স্বভব্যে भावधान हरा ॥ खनद्र खकार जन अहरू छिठिछ। खाम्हा জানি। কেন নাকর বিহিত ৷৷ প্রতি দিন তন্গুছে কেছে পর প্রাণ। জাগিরা কভান্ত চোরে হও নাবরান।। क्या त्यावस मिल्डा कि खनाया खना क्या क्या विश्व कि । विषयिकत्वः द्रम्भवः न्थानाः म छः त्यानीतः कतिने निक्रद्रा जिल्लाभाषायुक्षाः मसीद्रत्यमग्रह्मभाषा मन्द्रा भानागरः । ७० এডব স°দারে কেই ফারোনয় অভএব দুপথ বাঞ্চা করহ 11 ভোমারাতে, মোদের নাহিক কেই হয়। এদংসাছে কেবা কার অণ পরিচয় ৷৷ ভব,সম্দের চেউ ফোনা রাশি মাঞা ইহার মধ্যেতে যদি হও সুচরিত্র।। তবে ইহা জানি দেও ধম পথে অন "স্মারতে ব্লপ্থে কর্ছ গ্রমন ম শ্ৰুভিং কন্ত্ৰ্ৰণং ব্যানত (শ্ৰুনন্ত্ৰিল ৰোদামহে বৃতাং যাত নস্বকো বিষয়ত ভিজন্তিদ্যামতে। বাবস্য প্রকৃতিঃ লমাং বিভন্তা কিলত্যা চিত্তা হল তং খল কল লম নিগুচ জেদায় যজায়তে ৮৬১ গ্রহকার আপনার মনকে কহিতেছেন গ্

ক্রুর বুচন ব্যাশুনক স্ক্রন। ভাইতি আমোদ নাহি

করো মন মন। দুজ্জ ন বলুক বাক্য বিবেক্তে অভেদ । তাতে ও আমার মন নাহি কর থেদ। যার মা অভাব সৈতা কর্ক বিধান। গোমাদের দেচিভার নাহি অবধান। বাহে সুচে জ্ঞা ক্লা নিগুড় বছান। সেই ক্মা সভত করিতে চাহোমন।

ন কিন্দুরা যদি জনং পরতোধনেতে মন্যেপ্রবন্ধ স্বাভাহ্যনন্ প্রভাবে। শেলো থি নোহি প্রঘাঃ পরতা উহেতো দৃঃখাজি ভান্যপি ধনানি পরিভাজভিয়ে ৬ ।।

বিবেকীব্যক্তিকহিতেছেন। বশ বাস্থা কর মনেবতেক্সুজন দুখোতে সঞ্চিত ধন করে বিতরণ। জন ধদি নিজা ,শাত্র করি তুকী হয়। সেত বটে আমার গুজত অতিশয়।

কল্ডিং পূমান ফিপতিয়া মতি বক্ষ বা চং (সোহহং জ্বমা ভরন মেতানুদ্ধ প্রয়ামি। শোক নুজানি পুনরেব মির তপদ্বী চারিক্রতঃ অলতবানিতিমনিমিত গ্রহণ

আমারে কোন ব্যক্তি নিজাকরে করুক সাধ্বাজিকতিত ছেন। মোর প্রতি কোন ব্যক্তি রুই করি মেন। বিনাদোধে কটুবাক্য করিলে কেপন। সেমেনো আমার হয় জমাজভরন তালতে কলাচ শোক নাহি কর মন। সবে মাত্র এই শোক করবে হয়। বৈষ্ঠান্তন হৈছত পাছে সাধ্নত হয়।

ব্দম পীড়ামবিচিত্রাবোহর ত্রু পাপশুক্রার্থম হপ্রবৃত্তঃ নচেং ক্রমা মপাই ম্লাফ্র্রাণ মন্তঃ ক্তথ্যে বৃদ্ধী দ্শো হনাঃ 1: ৬৪ ।। वाशिक्षक्रम् ।

वाशिक्षक्रम्यक्रम् ।

वाशिक्षक्रम् ।

वाशिक्ष

ন্তান্থীনতাধু ন্রন্ত্রীন্তিরে স্থাস্থিত্রতাও ভিজাপ্তাও বান্ধীন তাওসম্চিতৎ সংক্রম স্থিত্রতাও বিস্ফুর্পারত্বিধীয়তাও পর তাওস্কুলালু স্থিত্রতাওয়া ৩৫

্রাছকার বিবেকোদরেতে বাবসাক্তিতেছেন।
আপনার প্রতি ত্রিন করজনধান। গৃহ শুক্তাজিকর বৈরা
প্রা বিশালা। তেজিবলুগণ বৈদ সূত্র দদী তীরে। পরান ধারণ
কর নিত্তিকারের গা সক্র সঞ্চয় করে মোনে ভাব হরি।
কাল কাটো পরত বন্ধান ল্লান করি।

মংশানিঃ সময়ে শতিঃ শিব শিবে জ্যুক্তিম লোনিব তি ভিজে চাভিত্রতীগ্রেশুবিরতিঃশ্বং সমাবেটার ভি । একান্তে বস্ত্রিও লগ এতি নতিঃ ॥ সহিং সমণ সঞ্জিং সবেস্থাত রুগ ক্লি জিতি বনোসমা ক্রিমাণ্ডিতিঃ ॥ ৬৬

মৃত্তির কারন কহিতেছেন।। সমূদ্রেতে শ্রন্থি পাঠক্ষমাণ্ডনে ক্ষাতি। শির শিবে ভূাক্তি আর মূলের নির্বাচি। পরি মিশু ভিক্ষাকর ল্ছেতে বির্বিচ। শশ্বং ক্যে তিরতি। নিজ্ঞানে বস্তি । প্রতি গুরুর প্রতি মতের সক্ষতি। কাম পরাজয় সভা

নাক্তিত লিরিতা।। কুনেই করিলাম মতেক উকতি। জই সা ব ওলি জেন মুজি পথ ফিডি ।। তি চাই চাইটো লাল্ডাগানিখ্যালিকার পরিত্তি ক্রিডালান্তাই কিল্ডানো ভাষতনাকথং তব্তিকোমানি, প্রেলালাকাই ।। স্থাতি তি ভিতিত ক্রেলামুল মিডোলালার্ডি তি রেবাফ্লা তদাহে বো তিবাদ্রেতা ভেল্লন মিড লোশবরং বাক্লাতি ।। ৬৭ তি ভিল্লি ভাবের প্রতিক্রিভেছেন ।। বিষয় আমিষ ভোগে কইরাছ অল ভোন চল্লে কেন্দ্রোধেধিকে কুলানক্র ।। শারম ভলন কর তোলহ বিষয়া তবে ধরে কিল্ডান লোভিরকে উদর ।। যথন লেন্ডান জ্যোভিছইবে উদরা। তথাছলেকার্ড ক্রেশ লোবল ।। বুজের লোভর ভ্রমা নগিরা প্রসাক্রেলার্ড ক্রেশ লোবল ।। বুজের লোভর ভ্রমা নগিরা প্রসাক্রেলার্ড ক্রেশ লোবল ।। বুজের লোভর ভ্রমা নগিরা প্রসাক্রেলার্ড ক্রেশ লোবল ।।

বুজা বাত কেম্ব আহা ক্রিডেছেন য় । ম্রেথাক ছলবাকে।
বুজার নিজয় হ বালেটতে কি কব বুজি গদ্য নাহি হয় ।।। ধ্র পুলকিত অলা বালের জন্ম। কুমে ক্রেনাদিওলৈ অতি জ্বর চয়ে ।। ভাহাতে ব্রুগাদ করেন নিবার।।। বুজা বজা কেম্বন বুজার ক্রিয়ান।।
স্থাকারক ভারবারীয়োল্য মনান্দেচাহনঃ।। ইন্তি

वियोगितिनाननेमान अयोष्ट्र ति मा निन्छ ॥ ७००

বিষয়কে পাক গৃহ ক্রিরা লার ননকে বিভাগ শ্রুকপ করা থাকিংতেছেন ।। অকার সর্বা আছে পূবে আছিল।। বৈষ পাক গৃহ ভলা এই যে বিষয় ।। আমিষের লালনা করিন্ত্রি গা মোর মন। বিভাল প্রকা হয়ে করোনা গমন।। সানিত্যনা গভাগতৈরহরহঃ লংক্রীয়তে জীবনত বাাপা রৈ বহিংকার্য্য করিন শতৈঃ কালোপিন্দ্রান্তে। দৃতীজন্মজর বিযোগ অরশং ব্রামণ্ড নোহ পদ্যতে শীদ্বামোহনবীও প্রমোদ মদীরা মন্তভূতত জগৎ ॥ १ং

বছ বিধ ব্যাপারেতে আরু হৈল জীনম দেবা জন্ম জরা স্ত্রা
লা লানো কালেরে ৷ ব্রাম নাহিত্য গোহ মদাপানকরে ৷৷
আরে চেডো মুখ্য ভূমন মধুনা ঘৌরন জনে ত্যুজন্ত সুভ্
লাত যুবভা জলামৌ পশ্যাশী নকীত। তদুজালিজালং তদজুত
ক্রী কলাযুভং বনোভূত কৈবর্তঃ জিপতিরতি ভতুন প্রতি

মুছঃ।। १১

মনকে মংলা সরূপ করিয়া আরন্ত্রীলোকের যৌবনকে জল
কপ করিয়া কদ্পকৈ কৈবৃত পুরূপ করিয়া কহিতেছেন।। জ
রে মন মংখ্য রাথ আমার বছন। ত্যতী সমুদ্ ললে করোনা
ভুমন।। নির্ভয় হইয়া আছোনা দেখো ছাহিয়ে ২ কল্পা কৈব

র্ত্ত আছে জাল ফেলাইরে ॥ শরীরের লোমাবলি করিরাছে জালা। তন দুটি তিত নাউ দিরাছে মিশাল।। রতি দড়ি মৃত্ত্বতি করিয়াছে কেপন। জালো না কৈবর্ত্ত তোর ববিবে জীবন তরণী সমা রডে তদ্যাহ শরীরশরোবরণ সরভস মনোহণ সংশ্রী এয়াগীকখণ প্না। প্রবন্ত জভীকাপার্থে সংশ্রী প্রান্ত্র

নিত পাতিতো হত বিধি বৰ্দ্ধান্ত্ৰান প্ৰসাতি কিং ভ্ৰান

আপন মনকে হংশপ্রেণ করিয়া আর জীলোক সরলকে
ক্যার বরুপ করিয়া কহিতেছেন দেখারে মনহংশক্রেনী শুনহ

র্চন । নারী সরোবরে কেনো করিছো গ্যন । অবএ অতীকা ।লে তথ্য প্রমারি থেতামার বন্ধন হেন্ত পাতি আছে বড়ি হত বিধি বন্ধে ত্যি হট্যাছে জন্ত । নালা ও দেখিতে ইথে

হত বিধি বদে ত্ৰি হইৱাছে শ্বৰ । নাগাঁও দেখিতে ইথে হইবে কি-মন্দা। বিষয় বিষয় ক্লানাং দোৰ দংক্ৰোহ কটানাং বিষয় বিষৰি

मन ना अनुदर्भा केलोनाना विद्यस्ति । विद्य

লনি কৰা নাগী সাহস করোৱাল একীসূৰ ক্টেমিবকী মপ্যাচরছিল প্রাথীলৈরেভিভূতে অবক্তিকভাগ আফলে বিপ্রকাশ চ ক্রম্মেন্ড লোক প্রাথ

আরক্তিক্তাং আন্তল্জে বিপ্রশাস্থা । তলাদেরাং তাজ পাঁ চয়ঃ চিন্তার বাব হা মা ভ্যাত্তেকিমূনবিদিতঃ পাণ্ডিতঃ পণ্ডিত। ন্যাং য় ১৪ য়

আপন সনকে কভিতেছেন। রিপুগন সনিভারে হইয়া ও স্থাব্যক্ত ন্যায় কিলা আচরণ কৈলে চিত্ত। তেনু শাস্ত মা মোর তাস নিজ মন্ত। মন সনে কত না করিছে বিংজান্ত। भक्षक वर्षति होतिक व काला कालगाती वावका भारते भर क्या वाभगात कथा द्वांग गांद विभिन्त । পश्चित इदेशा खरी कहें स्वाचित हो । वाधित कालगान कावित क्या मिक क्या खरी भागेन काथकान कार्याद कार्यविभाग भागानीन १ क्या कार्य कार्यान मान्य कार्याद कार्यविभाग भागानीन १ क्या कार्य कार्यान मान्य कार्याक कार्यान १ १८॥ । वाभग मानक करिक्ष कार्यान १ १८॥ । वाभग मानक करिक्ष कार्यान १ १८॥ । वाभग मानक करिक्ष कार्यान कार्या कार्यान क्या माहि भागातिक क्या वार्यान कार्यान कार्यान क्या माहि भागातिक क्या वार्यानीन क्या क्या क्या क्या क्या क्या

ভাবিকে ন্তমি পাইবে নিকৃতি । তারে না হি ভাবকেন কেনন
দুম জি ।৷

গুতি রিনিন্ম নামনিক প্রথমিভামাপাহরছির ক্ষয়ং সভোজ
বিষয়ান কিলগুমান কৌখ্যাল্মাবফিতঃ ।। বৈত শেলো ক
ক্তাভাম্পনিত রৌদাস্য মাল্মিড০ নত প্রত্যেষ্ট্রিবিয়েল
ক্রাভাম্পনিত রৌদাস্য মাল্মিড০ নত প্রত্যেষ্ট্রিবিয়েল
ক্রাভাম্পনিত রাম্পতি ।। বঙ

আগানার মনকে কহিতেছেন । তেরামারি ইলিয় গণ পূর্ত্ত তা করিয়ে। তোমারে বিভিলেনিজ সূথেরআশত্রে । ত্রিচাই নাগনার নাধন করিতে। বিষয় ইলিয়ালণ না 'দের করিতে।। থানি কি করিবে নিজ কলা ভিত্ত ফলে । বিধিব বিশাগুইয়ানী নিজ কলা ভিত্ত কলো।

দৈবে সুনশ্যতির দ্ধিত মোহজাল: দূধাই দ্ধা বলত কি

শার যাতনাখিঃ। মেকাৎ প্রদক্ষিণ বংতাগপি দিবাকরমঃ তেজ্যুর সপ্তত্ত্ব গাণ কদাভিদক্ষী। १३ । ভারালাল বাদ্য ক্রিয়া

আগ্রনার মনকে কলিভেছের ॥ দেবভার প্রতি নোই কর সমপ্র। নতত সুখেতে থাক সুস্থ করিমন ॥ পর্যামাঞাতে তব কিবা কার্যা আছে। হরে তাই কপালেতে বিধি যা লিখে। সে ॥ সুর্যনের করে নিজা সমের বের্চন। নপ্ত অ স্বিনে স্কর্ত

না হলো কথন ৷৷
আকাশনং পত্ত গদ্ভত বা জিগন্ত নিটোনিথি বিশ্ব
বা তিন্তত কামপেইং ৷ জ্যান্ডরাজ্ঞিত শুভাগুতকুবরীনা ছা
যেব ল তানতি কথা জ্লান বজঃ ৷৷ ৭৮

আপন মনকে কহিতেছেন ৷৷ আকাশ বা যাও তুমি যাও
বাদি নতে ৷৷ জলবি প্ৰবেশ কিয়া থাকহ একাতে ৷৷ যাইছা

ভাই কর শুন গুলে ভাই।। কম ফল বিনে আর কিছ পাবে নাই।। শুভাশ্তিভ কম ফল ছারার সমান। মরিলে স্ফেতে

মাবে নাহিক ছাড়াব ম উপদৰ কলাবিদ্যা ৰীকাং কলং ধৰ্মিছভাঃ ভৰ্তি বী

করলা হসং প্রারভ ত ক্রকিমনু তং । বিনয়ত বিনয়বিহাতে ভা বা নহাতি বিওহারং জনমতি বৈতঃ শালের্বিহাৎ নজাও ভবান্ধ্য বংগাংক।

আপন মনকে দ্ফান্ত ভারাবুঝাইতেছেন। মে বিদ্যাবি জের ফলে না হয় জনম। পূনঃ ১ গতা । ত হয় • উপাশন।।

थनाका छ कि छ तन इ स्म विष्णा इस वर्षा । विष्णाः उत्तरन तव हिन्

শ শান্তিশতক ৷৷

ৰড়হ আপ্ৰা 11 যাৱ গে খতাৰ কছ নাছি বিপৰ্যন্ত খান্য জীবে যবান্ধ, র নাছি হ। গি

यहाट जाविमा कुलित विक्था मिछ विनिदेना , महें द्वा व

কো মপিত নিজবৃতিরবায়ভরং বতঃ খেনেইছবিন্ন পর মন কল্পৈর ভবতি খমানশী ব্রালেভা কাই ইরিনেভা পরী

ধনি ব্যক্তির প্রতি দেখ করিয়া এবং দ্টান্ত দেখাইয়া আ পন মনকে প্রবাব দিতেছেল । সন্যাসী বদ্যাপি বিনি ধনি ব্যক্তির পাস। মা দেখির ভালারে ধনি বিমুখেতে বৈশে। সেটা কিছ ভার প্রতি অবিজ্ঞা নাক্তর প্রেম দিতে হবে ব্যক্ত

माम नका करता। वरनेट इति। उथा शिषु नकार्या वदोरन बाहरत मारन बागादा विविद्या । यसने मा॰ लिख छात बालिछ

হরি। প্রিভাবে সেই ক্ল ইথে নাহি ভিন ।।
তথ্যভানস্থনজনত পরনত বিকাশিত দু আ বাংগভেলুখানুদি
চেতনান্তি ।। যস্যানু সঞ্চতেমে ভূবনাধিপত্য ভোগদন্তঃ ক্লন
জন্ত গতা বিভান্তি ।।

এই হেন্ত সর্ব্ধ সংবাদি প্রবোধ দিতেছেন ।। অত এব শুন হে পণ্ডিত সরজন। দেখিয়া এসব বৃদি থাকে হে তেওঁৰ। তবে

তে পাশুত সরজন। দোখ্যা এখন বাদ থাকে হে চেওন। তবে ভাব বুজ পদ জনস্কুজজর। পরবৃদ্ধ ফর্মব্যাপি অথিল কৈছের শাহারে ভাবিলে হবে জ্ঞানের উদয়। অতি তক্ত বেশি হবে

बङ्गात विश्वे।।

তি লাভি শতকে কর্ব্যাপদেশত তিরঃ গরিতেই । পর্কানিক্তি যেতি চীনচরিতৈ হৈতিরব তাতি ক্ষমা কীও নিগৈত ব করোনি তামনুচরীং রামাণ্য কামাগণি। স্কাণ্ডে নিপত ক্রেণি বিলভিন প্রারণে যেষাং মনতেখা নাত্যমন্ত্রিনা মনুপ দ্বং গ্রামিলাতে স্থিয়। ১ ।

ক্রাণি, শ্বিলভিন প্রারণে বেষাং মনতেখা নায় সন্সিনা নামূপ
দং গন্তাশিনাহণ যদি। ৮ ।
বহাপি সংপথ গামি আমি না হইতাম ভবে পনোপার্জন
করিতাম ইনাই কহিতেছেন।
ধে সকল হীন চরিত্র ভার আদেশে। লক্ষ্যী আগমন করে
প্রুবের পালো। সেইলফীরে অন্ট করিব অনুচরি । যদ্যপি

मांभूत शरश शरम मां करि ।।

জকাং প্রিয়ঃ লকল কাম দুঘাওতঃ কি॰ লভপিন্তা,প্রণয়িনো বতবৈওতঃকি। কম্পথিত ওনভূতাং তনতি ওতঃ বিশ্বার প ভবিস্থা বিদ্যতাৎ ততঃকিণা। ৮৩

প্রছর্মন হৈলে পরে ভাতে বাকিছর। ধনে বন্ধ গণে ভোষা সে ব কিছুনর 11 শত্ম শীরে পদ দিয়েনী শাহতরে 1 কল্প কোটী

বেটে থাকা কি ইবে তাহায়ে।।
নিকল । কিনু কলারে। দরতব জীণা তন্নাঃ সুচংকি।

শুকা শরিতঃ ক্রগিরিগুরু গ্রাব্যাস দীচাঃ। অর্থান নিড খতঃ প্রতিদিনত রুমন্তির গ্রীবিভি গ্রারাপিজ দ্বিতি ক্রিতি ভূজাণ বিদ্ধিরপ্যাসতে॥৮৪

ll & ll

ন্দী কি ভ্ৰাইল ভোষার ভাগোতে।। এনৰ থাকিতে তল ভাতে বিদ্যালন। রাজ শ্রেণ করকেন নথের সমান ।। এ নব থাকিতে জীব কেনো থাকে ঘটে ট বাজার (আজা ইত ভাত ভুলি নরে।।

কাম শিক্ষপলাশপত্র রচিতাং কছা। দ্বানো বনে 'স্ব্যা

খানবরং শর্ম মভাও অত্ত পিত্রো জল । প্রাথং পর মেগরসা বিমল সাধ্যায় তক্তঃ পরত জ্বামো ফল মূল অতি শ্রমত মোসাস্থাকৈঃ কিং ধরমঃ। ৮৬

আপন মনকে মীতি শিক্ষা বিতেছেন।। বহুবিধ সত্য কথা কহিবারে আছে 1, অপুর সরল তব

श्र तरबद्धाः स्विकारक त्रीत कत् सन्द्र स्वत्। निश्चन क ए । शिकु कड़र छल्था। शहरमचरवह शुक्राः स्वित्वांत छरत व का ले की बोर्ड करतीन जनरत । क्य क्षित्र नगिवत नगिवत न्म। मकल ग्लाब (बाद्ध विनि सन सन्। न) असाहित न त्यानाथात्कादत भारेत्वा । त्यांत्रवृक्त शद्भत्न विवासिकाया ा मिलिमार काला बरनव छत्रवः ऋषः शासानिकतः नारमा व कन मानुद्रा शिक्त छहा नगा लका शन्तक महिमानाम निना न वम्नकित्रबाह मधार क्रवरेकर मह नाविस्त विकालक्षाम्बा नव পতिब रमरेख रेखामुख्य । ४१ क्रिक्किम् धनांक स्वर्भात वर्षक भक्त अस्तिक अ रमन करत बोक मधून ।। शामकल यू क वृक्ष आहरू कानरन। भन्न निर्वत कल निर्वा रमहरता ।। श्रीवरक वृद्धान क्रांन क्रिक गृशिवस ।। श्रिति सहा মধ্যে পৰা। কা বতাপর ।। প্রাদেশ জালিতে রাজে তল্ জির तिर्छ। नक्षां वा व्याह्म वदन वित्र महत्र हा कि व्याव्या ब মকল বাধিন থাকিতে। তবে কেনো লোক বার নৃপত্তি লেবি ছে।। পানী পাত্রা পবিত্রত ত্মন পরিগতত তিক্ষা সম্মন্ত্রা ম बर्देश दिखिश्चेमामा प्रतिक मधामन कर मधानम्बि। यथाः मिल्नकंशिक करत शरिविष्ड लाख मध्याविवस्य सवाग जन्ना व

वैभन्त नाडि कहा किया क्यानिया नवित्र । कि

শাৰিশতক গ পूर्व द्यादिक बदर्ब व चाइड० चाड वह नक व रावश শাহারা করেণ ভালর দিলের প্রা কহিভেছেন জলপান পাত্র হন্ত পরম পবিত্র। ভ্নিয়া ভিকার লকা अ ল সপবিত্র ।। দশদিক বস্ত্র দেখ অতি দ্নির্মাল । পায়ন ক।... बरन वह किन्डिजन ।। ध नकन मना शिम अकिनात करत वनः मर्था थोरक राई धना दिन्छारत ॥ नर्छात छाहात मने भना त्नरेखन। रिपन्न ना कर्तत करत कथा निम्म लन हो সুধং শ্যা ভূমি মসন মুপ্রান; ভজলতা বিতান ক্লিন্ত व। अन अगुल्याहा सिननः। यनुत्रक्रतमा प्रीतः वर्षा विनिजा नक मुन्दिः जब भारः कारं नथल खरहीर्डा नशहर ॥ ४२ এইরপ ব্যবহার যদে ঘাঁহার। করে ব ভাহারণ ভবভরেতে ভীত যে নৃপতি হতেওখেও ৷৷ হত্তেরবালিশ্রনে মৃত্যকতে দিয়ে ৷ মহানন্দে পথিবী ? बादका खरामा बाकोरणत बाकारन भवन वाज । । परश्चमान চন্দু রাত্রে অতি পূলো হন। নিজবৈধ্য বনিতারে করে। করি कारण। नरम निजालाय खरा थारको कछर्रवा। नाष् निज

ষে করে এনৰ আচ্ছল। সেই নং তব্বীত রাজার মতন গা বৈয়ান বন্য পিতা ক্ষকাত জননা শাহিতির । গাছিনী বুড়াং গুনুরর হয়ত ভগিনা ভাজা মনঃ সংব্যঃ । শ্রাভ্যি তলত দিলোপি বস্তুনণ জানামূতং ভোজনত এতে বন্য কটুরি

त्मा वप नर्थ कम् अपन् रशानिमः ॥ D.

বাদ্দ মনতে কহিতেকেল দেখা জনব স্টুয় বাহার। কি প্রান্ত মনতে কহিতেকেল দেখা জনব স্টুয় বাহার। কি প্রান্ত জনক বৈর্য্য জনক লার মাজন লাজি যার প্রান্ত জনক বৈর্য্য জনক ভাতার্জাল লার মাজন লাজি যার প্রান্ত জনক বৈর্য্য জনক ভাতার্জাল হার লাজি যার নাজি বারা য় হলদক বল্প যার লালি জানা, মুজা ব্লামটেক সমাজি বেক্তরে জাবরত য় এতেক স্টায় যোগী বিলি ভারের বল দেখি ওচে নাখা। সেতারে কাহারে য়া বিক্তিকতান কমি নিজেলের রপ্য ক্র মহানিজনে নিজ্য লাক্ত শাহবোপিত তমাং কারাগ্রেহ্যালতে যাতং বিজ্ঞান মাম্য করে করপ্রী জিলাব লাকেপিরা বালাগ জ্ব সভ্যোতিনি মার্যান্ত ঘর্য বিশোবে রক্ষ য় জ্বা বিশোবে রক্ষ য় জ্বা বিশাবে বিশাব মার্যান্ত মান্ত বিশোবে রক্ষ য় জ্বা বিশাবে বিশাবে বিশাব নালাগ জ্বা সভ্যা বিশোবে রক্ষ য় জ্বা বিশাবে বিশাব নালাগ জ্বা সভ্যা বিশোবে রক্ষ য় জ্বা বিশাবে বিশাব নালাগ জ্বা সভ্যা বিশাবে রক্ষ য় জ্বা বিশাবে বিশাব নালাগ জ্বা বিশাবে বিশাব নালাগ জ্বা বিশাবে নালাগ জ্বা বিশাবে বিশাব নালাগ জ্বা বিশাবে নালাগ জ্বা বিশাব নালাগ জ্বা বিশাবে নালাগ ক্ষা বিশাবে নালাগ জ্বা বা বিশাবে নালাগ জ্বা বা বিশাবে নালাগ লালাগ ল

मतादिता नाषिता जीमन विषय मध्य याता थादम सदता जोरेखत व्यश्न कोताधात विनि जोद्र ॥ महात्मादम सत्त जोता कि कव स्थिक । जोद्र द विनाद्य विक कोचिद्रक छ विक ॥ तमनीत मूथ भिक्ष मध्यक व्यतमा स्थिति जिल्ला निज अन्य मोदकरण्ड भित्रम जैन्य प्रस्त विकास मान्य स्थान छोद्र विकास विकास स्थान

मार्क्को ने जब कांक्रवणदर मर्भवोगायक एनारभाष्ट्र ल्यू बड़ाक्ट खबद नोका निल्लू होना मिला कार्यक झिछा लहा स

পত্ৰ পুতিকাগাত্ৰেগাৰিত্ৰীক্ৰেভিজালকা বিৱেশন ০ঞ वर्षिक ममीशामद्रका कराणका है। द्वीवर्षका मण्ड গালিকা নাবিশানে লক্ষ্যাত্র কাৰ্ডেকেন গালেক ्र स्था गाँछ। लक्ष्य मामि । नद्दिषः द्वीसाद्व । भगदिव ভেজিয়া কমি ভল অন্যন্ত্ৰ বিশয় ভোগের বিজিপ আছেত যাতার ব্যক্তন রসতা পথ কইবে তোমার 11 যাতার নাহিক পাতা বিষয় ভোগেতত । নে কেনো ঘাইবে মাজাতোমার বে विरु । नवः जि जागात यन , यह वाक्षाक्ता भनान भरतार ভिका अने अधिवादन मा उर्जा के र महत्वानी कर्णा जिएक एक जैसे माजिएक स्वतान्त्वक छालिएस। बार्याएम। সর্বোভ্যন্ত নমন্ধ তাঞ্চলিরহং সংগ্রহার প্রাথারে 1 বৃশ্বাক যদি গম্ভ ভন্তনা নাজান নিছানাহ ছেভিং ভ্ৰিভুজা নিকার দহন জালা করালে গৃহে ৷৷ ৯৩ ভ্রমাত প্রসারের ইন্দিয় সকল কে কহিছেছেন।। তহে জিলো লোকা নাশিকে কন্তছালি। প্রণাম সভারে করি হলে কডাঞ্জি ।। ভোলাদের ঠাই মাগ্যি এইজ প্রভার। যদ্যণি আনার প্রতি অনুমতি হয়। তবে আমি রাজ গতে বিকার অগিতে ৷ না করি আ ছাকে দক তেবেছি ক লংক ল গতকালো यब श्वीयनी यहि दश्य करीनः करोकः कांब्रिकी मधनकति वर्षिः शक्ति। हेमायी म्याकः कठेव कयठी शृष्ट के जिला करमावृति लक्ष किन वास्तिय मास्ति मास्ति मा कर

রামর বিহু মণোবং অসদলৈ ।ইনানী মুখ্যকৈ লট্ভরবিবেকা
ভবজুবাও সলাভ্ডা দুলি প্রিভ্রন মণি বৃদ্ধ মনুতে করে
প্রকার রাজােরকে কহিতেছেন । শি ধন জানার ছিল
বিজ্ঞা মজানা কীন অজকার মোহে নুমিত নামানা। তথ্ন
আখার দুলি হইও সাধ্য । নারী মর দেখিতাম গলল লগ্ন।
শা পেয়েছি আমি বিকেক অভ্নন। তাহাতে নির্মাল মোর ই
যেতে নান এ এখন আখিতে মন্ এই জ্ঞান হর্ম সকল লগ্ন
আলি দেখি বৃদ্ধ মর ।
স্তিং কালোৱা বিভারণ পশুনাং ভিত্তিভ্জাত পূর্ত প্রতী

কৃতিং কালোয়ত্র বিচনন পশুনাং কিতিভাগে পূন্ন সভী ভূজা বিষয়সূথ নাবালিত মঙ্গ ৷ ইদানা মখাকং তৃন্ধ সম ওংক্ত হতা মণোলা ভিজয়া, কিম্পি নহি চেত্রসয়তি ৷ ১৬ নিজ খেলোজি ভারা প্রমোধ নিতেছেন ৷৷

যত্তি চরন পশ্চ চাজার অগ্রেতে। সভী হোগুমহারাল ব ৰাক্য পলিতে। এতো কাল গেলো মম এর প কঙ্কিতে । বিশ মের সৃথ নামালা আনুক্রিত্র। এখন বিসা প্রথ ত্ন হেন্
লি ইতিলার অন্যোক্রির্ত্র। এখন বিসা প্রথ ত্ন হেন
লি ইতিলার অন্যোক্তর আর নাকরে পরানী । নালা
লপুর্ব লোক অর্ল্ডাই লোক লোইল , রগালৈ রা
বিত্তি বিশ্বী ক্রেন্ডাইল্লির যৌবন স্ত্রী । সংগ্রান্ত বিভিত্ত
লেল্ডার ল্লাপুরেজে জ্লালার প্রকৃত অন্যোক্তে কোন
পিতাবং ৷৷ ৯৭ ৷৷ দক লোক ব্যান ব্যান নালা দানত । দতের

शिकितः। कर । एक काल एक किए के किए किए ने के । पालक विकास के विकास किए । जानिक किए । जानिक

নিদ্বাশারন মন্ত্র না সূত্রপানত। কিলেড খ প্রস্থাত নাম হাদ্য বৃত্তে বভি মতত ভবিষতা বা গ্রহ পরমণরিভোবে। পচিতরে ভাল

বৈরাগ্য ধনা পূর্থন করিতেছেন। দিক দব বস্তু হতে হত জল পাত্র। নিদ্যাহতে পান্ধান ম

গ হবে নৈও। আছাও হইবে মূল শ্রা মহাতল। কবে মন নং
পূর্ত হইবে এনকল। কবে মনে পাব আমি গেরম পিরিত। ক বে মমন কি হবে মনের বাঞ্জিত।।

ক্দাভিক্ষা ভবৈতঃ কর কলিত গ কার্ ইতরবৈতঃ শার্টারং মে আস্ত্রাপরতসমতে কিরস্থান। ক্দাব্রভাগরিত তন্ত্রারন্ট বিহগাঃ পজিপ্রালি ছান্ ভ্রহত্যারঃ জনমিরসি ॥ ১৯ शिक्षित्रकाः । जिल्लान ह्यांकन प्रक्षानिक शृक्षानीत । शान रिकार द्वार प्रामात गति । मक्या हिन्दुश्राध करन खताः किन । जमन शत्र मृथ करन (म शाहेन ॥ नरम शिवा तुक्क हिछ। करन सम इस्त । ची न्जूरम शक्कीय क सबस्क निम्दतः । शक्काकीरत हिम्पिती शिक्षा शक्कामनमा तुक्काका नाजामन निविना स्माशिनम् । शक्का । मिरेबक्कानाज मम मृबिन निव्याहर्ज निविना स्माशिनम् । शक्का । मिरेबक्कानाज कर्क्क विस्ताहरू । शृक्षित्र ॥ शक्काकीरत विभाजन अवत जेशस्त ॥ स्माशामरन रिविन करन जीविर केयर । स्माशामरम नक्कारन स्माश निम्

যাব। এমন যে শুজুদিন কেমনে পাইন। থাকিব প্রসানকে মুমারি যোগেতে। প্রবীণ হরিও গণ আলি নিকটেতে।। আমার অঞ্চেতে ভারা প্রস্তর ভূমেতে।। গাস্ত্র কণ্ডু মিবারও করিবে দুর্থেতে।।

্থাতি ভবজন্ত্রাদ্ভলর প্রিকাশ সলসা। বংগংশ জান ক্ষ লকোত্রকঞ্জন কৃপত দুন্টালাতে লাগারৈও। নির্কাজন কৃতি প্রার স্যুদানি দাবালনা মে নিং শাস্ত্রকর্তি ক্লাকর প্রি। ভিজা বিল্লি প্রিয়াভাগ ১০৬

ুবির । তে হাতেরা গায়ে পরে চলেয়ারো করে : মস দেখি পাল্ডেরর ভর উপজিনে ।। নগড়ারা দীলেনেতে দেখি। হাসিবে। করে ক্লিপ্তবলি মম অক্লেধলিদেরে ।। অক্লেট

the sweeping to bell and

क्का भारत वांगिक इत्य । श्वरानक म् ঘুমায়ে ॥ ভিকার ভোজন কালে আসি নির্ভয়েতে । খাবে পক্ষিপ্ত কৰে মম হাতে !৷ बनाकिन्न, राज्ञान कथमणार्ड विस्वकारमा विकः প্রত্যতিলক্ষরাক্ষণমণি বংগ নিমোঘামতে ৷ অপ্যানেত বিনা শিভোগবিষয়া ভোগেত্ ভূতী নমে স্প্রদ্যাঃ পলিনেপর হরি भर वर्गान बदनावाङ्गिष्ठ ॥ ३०२-श्वरद्भ बोका बाङ कति। कहिराहरू ।। त्रमनीत्र का मम कान मांछ नाहे। य दिख वित्वक मम क्रिकारक छोड़े।। कर्नक चर्नाट याचि थाकिएक ना होहि। ভোগ ফরাইলে পুন হৈতে হবে দেহি।। অনিত্য বিষয় ভোগ ब क्षा नाहि कति। 'बहै वांक्षा छका शर्द नमा छाति इतिना। মাতর্মায়ে ভগীনী ক্ষমতে হেপিতকোহজাল ব্যবর্ত্তর্ধ ব-खनल खनला स्मर मीर्चानियात्रः । मरमानकोत्रगर छन्। क्वे शका श्वाइ कामिश्रायाद मुलीक मेलकि वक्क की उंवामि।। মানা মোশ কমতি পভতি সকলকে কহিতেছেন।। ত তেগোঁমাতা মায়া শুদ তগিনী ক্ষমতি । ওহে পিতা মোহ ন্তমি শুনহ সংগ্রতি ।।ক্লান্ত হবে সকলেতে করোনাতি না হবে নিজন আর হইল বিছেদ। একফ চরণ ছত গঞা जरन रूप्त। शांव व्यक्ति मपा राक्त स्वि क वस्ता। अहर ''त आणि जनवृक्ति नट्ड याञ्चिर छुत छुति 'सिथा'

यहमा मह करें शिन्न, १ चार क्या यो गांवर मन्द्राख क्रामंड खिलाकीना श्वीमध्यमार मिलाम की विद्रास्ती ३०८ काम क्या व्यक्तांत खिलायशा श्वीम माखः १ वरण त्या इ मम श्वाम इहेर्ड भूमा छ।। जामा ह व्यक्त माखः १ व्यक्त त्या श्वीम जाकांत १ वर्ष यहा किया यो व्यक्ति माखः श्वीम व्यक्ति माज्य भाग्य राज्या पिनि मित्र माल्ड मर्थ (क्या जिः म्या क्वा माज्य भा

ব্যামনিবন্ধ এই ভবতা মন্ত 'প্রথমাঞ্জলিক'। যতাখ সন্তবলো শজ্যত সুসজোদেক কুর্মির্মাল জ্ঞানাপা রসমন্ত যোহমছিম। শ্রীরে পরে বুল্লি 11 ১০৬ ০০ পৃথিবী জল তেজ বায়া আকাশ এই পঞ্জনকে কলিতেছেন।

্ মাতার পৃথিবী শুন মিত্র কে প্রনা। শুন জ্যোতি সূপা শুত জলাবজ্ঞন।। শুন ভাই আকাশ আমার নিবেদন। কৃত্রা ব লি নতি করি করুই গ্রহণ।। ভোষাদের সঞ্জেতে জন্মিলো

পুরোদর। ভাইাতে নিমাল জ্ঞান স্পুর্জি নোর হয় ॥ দুরে গেলো মোহ সব বৈই জ্ঞান হৈতে । সংগ্রাত ইইব লীন

পরন বুজতে।।

শোলানানানদা মনোরথ জলা ত্কা তরজাললা থাচ বর্তস্থ্রা একটিতা হোত্ত চিছাকটা । রাল প্রথাবতী বিত্তাবহোগা।বৈত্যা দ্যমণ শিনী অস্যাপের গতানিশুক্র মনলো নকতি যোগীস্বরাং ।। ১০৬ প্রাধিতক।

প্রাধানত বিনা বৈতিক প্রকার ভাষা বি প্রারিয়া কহিছেছেন ।

প্রাধান নামন মদ্য ভাহে মধ্যেরথ জল। ভ্রমানণা ভরজেতে

পর্মান বিক্ল । মোহের লা বর্গ ভাহে কে হইবে পার। অভি শ য় উচ্চ চিন্তা পরপ দ্ধার । রাগ লপ ক ভার ভালিছে দেখ ভা য়। বিভল্ল প্রবাপ পজা দ্ধারে বেপায়।। বৈর্দ্ধ বিশ ব্যা ক্লেছিল ফেনিরবর্ধি। বড়ই দ্বারি সেই আশা লগ নদা। ভ্রমাবলে যোগীগন গেছেপার হয়ে । স্বাদা ভানকে ভাছে বল

विशिशिश शिक्ष इस्ता । असेसा आगर के आर्क वस्ता । असेसा आगर के आर्क वस्ता । असेसा आगर के आर्क वस्ता । असेसा असेसा असेसा आगर के सिलामा असे मात्राथ असे विश्वास । अपने असेसा असेसा असेसा का असेसा अ

মজি পদে রভি চার ॥ বদ্যপি এড়াবে ভাই ভবের বাতনা ।
শিহুন নিজের পদ কর জারাধনা ॥ চত্তর্থা পরিছেদঃ সন্মন্ত

ইতি মূল শান্তিশতকা গ্ৰন্থ সমাপ্তঃ।।

এই কেতাৰ সিম্লিয়ার বিন্দু বাসিনী বছে মৃদ্যক্তিত হইল ইতি সদ সংগ্ৰাল তাং ২৮ কাতিক।।

countries and the series of the series than the

যাহার এই পৃত্তক দরকার দ্বৈকে তিনি উক্ত সাকিনের শ্রীসূত নাবু লোবজন ভড়জী মহাশরের ১২ নমর ভবনে তত্ত করিলে পাইবেন ইতি